बर्षः- 06
अंकः- 49
मुरादाबाद
(Tuesday)
09 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम ने कहा गरीब कल्याण योजनाओं के जरिए सीधे गरीबों की मदद, 10 जून को टूटेगा नेहरू का रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 12 वर्षों की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का केंद्र गरीबों का कल्याण रहा है। 10 जून को वह लगातार 4,399 दिन पूरे कर भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने कई महत्वपूर्ण बदलाव देखे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का केंद्र गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग का कल्याण रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की नीतियां अंत्योदय के सिद्धांत से प्रेरित हैं। इसका उद्देश्य विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है।गरीबों के जीवन को बेहतर करन के लिए योजनाएं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर '12 Years Of Garib KalyanÓ हैशटैग के साथ प्रधानमंत्री ने सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और उनकी उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि जन धन योजना, सीधे लाभार्थी के बैंक खातों में राशि (डीबीटी), स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का उद्देश्य लोगों को सम्मानजनक जीवन और बेहतर अवसर प्रदान करना है।

सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की हर योजना का लक्ष्य नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें सशक्त बनाना रहा है। उन्होंने बताया कि डीबीटी और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है। इससे पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार व लीकेज में कमी आई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीक के उपयोग से शासन व्यवस्था अधिक प्रभावी बनी है और लोगों का भरोसा भी मजबूत हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी बनाएंगे नया रिकॉर्ड- इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय राजनीति में एक नया कीर्तिमान स्थापित करने जा रहे हैं। 10 जून को वह लगातार 4,399 दिन तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। इसके साथ ही वह भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड पीछे छोड़ देंगे। नेहरू ने पहले आम चुनाव के बाद निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में 4,398 दिन तक पद संभाला था। नरेंद्र मोदी ने पहली बार 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उनके नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने 2014, 2019 और 2024 के लोकसभा चुनावों में लगातार जीत हासिल की। जवाहरलाल नेहरू ने स्वतंत्रता के बाद 15 अगस्त 1947 को प्रधानमंत्री पद संभाला था। हालांकि उनका निर्वाचित कार्यकाल 13 मई 1952 से शुरू माना जाता है और 27 मई 1964 तक चला था। 10 जून को 4,399 दिन पूरे होने के साथ प्रधानमंत्री मोदी इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए देश के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस में भूकंप से दहशत: झटकों से पलभर में ढही इमारतें; 15 की मौत, 200+ घायल

फिलीपींस में 8.1 तीव्रता के भीषण भूकंप ने भारी तबाही मचा दी। कई इमारतें पलभर में ढह गईं, 15 लोगों की मौत हो गई और 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। मिंडानाओ क्षेत्र में सुनामी अलर्ट जारी होने के बाद हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। वायरल वीडियो में डरावने दृश्य सामने आए हैं। आइए, तस्वीरों और वीडियो के जरिए जानते हैं कि भूकंप क कितना खरतनाक था...फिलीपींस में सोमवार को आए 8.1 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप ने भारी तबाही मचा दी। दक्षिणी फिलीपींस के मिंडानाओ द्वीप के पास आए इस भूकंप के बाद कई इमारतें ढह गईं और पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। स्वीरों और वीडियो में इमारतों को गिरते और लोग जान बचाकर भागते दिखाई दिए। भूकंप के बाद सुनामी का अलर्ट भी जारी कर दिया गया।भूकंप के बाद लोगों में मच गई भगदड़- भूकंप के तेज झटकों के बाद लोग घरों, स्कूलों और अस्पतालों से बाहर निकलकर सड़कों पर आ गए। कई स्कूल और यूनिवर्सिटी भवनों को नुकसान पहुंचा है। वायरल वीडियो में देखा गया कि एक स्कूल परिसर के बाहर छात्र खुले मैदान में खड़े थे, तभी पीछे की इमारत का हिस्सा भरभराकर गिर गया।

हम लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे: इंडिया ब्लॉक की बैठक के बाद बोले खरगे, धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की भी मांग की

दिल्ली में इंडिया ब्लॉक की मैराथन बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा सरकार के खिलाफ संयुक्त लड़ाई का एलान किया। विपक्ष ने नीट पेपर लीक मामले पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई। बैठक में महंगाई, बेरोजगारी, विदेश नीति और वोटर अधिकार जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। अगली बैठक 8 अगस्त को हैदराबाद में होगी। दिल्ली में हुई इंडिया ब्लॉक की मैराथन बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा सरकार के खिलाफ बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। बैठक के बाद खरगे ने कहा कि विपक्षी दल अब और मजबूती से लड़ाई लड़ेंगे और जनता के मुद्दों को लगातार उठाएंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन पांच बड़े मुद्दों पर एकमत हुआ है और आने वाले समय में सरकार को संसद से लेकर सड़क तक घेरने की तैयारी की जाएगी। खरगे ने साफ कहा कि हम लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे। बैठक में करीब 25 विपक्षी दलों ने हिस्सा लिया।बैठक के बाद खरगे ने नीट पेपर लीक मामले को युवाओं के भविष्य के साथ धोखा बताया। उन्होंने कहा कि परीक्षा प्रणाली में लगातार हो रही गड़बड़ियां लाखों छात्रों की मेहनत और उम्मीदों को बर्बाद कर रही हैं। इसी मुद्दे को लेकर इंडिया ब्लॉक ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार परीक्षा व्यवस्था संभालने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि गठबंधन मॉनसून सत्र में भी इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाएगा और छात्रों के साथ न्याय की मांग करेगा।ये पांच बड़े एलान किये- महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक स्थिति के मुद्दे को देशभर में जोरदार तरीके से उठाया जाएगा। नीट पेपर लीक और परीक्षा प्रणाली में गड़बड़ियों को लेकर केंद्र सरकार को घेरा जाएगा और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग जारी रहेगी।विपक्षी गठबंधन मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर एसआईआर प्रक्रिया और मतदान अधिकारों से जुड़े मुद्दे उठाएगा।इंडिया ब्लॉक की बैठक अब हर दो महीने में होगी। अगली बैठक आठ अगस्त को हैदराबाद में आयोजित की जाएगी। संसद के मॉनसून सत्र में सभी विपक्षी दल मिलकर भाजपा सरकार के खिलाफ साझा रणनीति के तहत मुद्दे उठाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में आम लोगों की जिंदगी मुश्किल होती जा रही है, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर गंभीर नहीं दिख रही। विपक्ष का कहना है कि बढ़ती कीमतों और बेरोजगारी ने युवाओं और मध्यम वर्ग को सबसे ज्यादा प्रभावित किया है। INDIA ब्लॉक ने तय किया है कि आने वाले महीनों में इन मुद्दों पर संयुक्त अभियान चलाया जाएगा। विपक्षी दलों का मानना है कि यही मुद्दे आने वाले चुनावों में निर्णायक साबित हो सकते हैं। विदेश नीति और वोटर अधिकारों पर भी उठे सवाल- बैठक में खरगे ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि भारत की पारंपरिक विदेश नीति कमजोर हुई है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की स्थिति प्रभावित हुई है। इसके अलावा उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि करोड़ों लोगों को मतदान अधिकारों से वंचित किया जा रहा है। विपक्ष ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत रखने के लिए चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होना जरूरी है। गठबंधन ने इस मामले को लेकर मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला भी किया है। विपक्ष अब हर दो महीने में करेगा बड़ी बैठक?- खरगे ने घोषणा की कि INDIA ब्लॉक की अगली बैठक 8 अगस्त को हैदराबाद में होगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन अब हर दो महीने में बैठक करेगा ताकि सभी दलों के बीच तालमेल मजबूत रहे। विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि लोकसभा में 17 अप्रैल 2026 को संविधान संशोधन विधेयक को हराकर विपक्ष ने अपनी एकजुटता साबित की थी। अब उसी एकता को आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में यह भी तय हुआ कि संसद के भीतर और बाहर भाजपा सरकार के खिलाफ साझा रणनीति बनाई जाएगी। 2029 की लड़ाई की तैयारी शुरू हो गई राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इंडिया ब्लॉक अब सिर्फ संसद तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि 2029 लोकसभा चुनाव की तैयारी भी शुरू कर चुका है।

सीएम का जनता दर्शन: मां के साथ पहुंची बेटी, कहा- 12वीं में अच्छे अंक हैं, बीटेक करना चाहती हूं;मिला जवाब

सीएम योगी ने सोमवार को जनता दर्शन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने पीड़ितों की फरियाद सुनी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए लोगों से उन्होंने व्यक्तिगत मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। एक बच्ची ने मुख्यमंत्री से उच्च शिक्षा के लिए मदद की गुहार लगाई, जिस पर उन्होंने लखनऊ के किसी संस्थान में प्रवेश दिलाने का आदेश दिया। पुलिस की अनसुनी व अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर सख्त सीएम योगी ने अफसरों को मॉनीटरिंग कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का आदेश दिया। बूढ़ी मां संग आई बेटी, खुश होकर लौटी लखनऊ की एक बच्ची अपनी बूढ़ी मां के साथ पहुंची। उसने बताया कि इंटरमीडिएट अच्छे अंक से उत्तीर्ण किया है। वह आगे बीटेक करना चाहती है, लेकिन धन के अभाव में दिक्कत हो रही है। सीएम योगी ने उसकी मार्कशीट देखी, फिर कहा कि पढ़ाई पर ध्यान दो। आपका प्रवेश किसी अच्छे संस्थान में कराया जाएगा। सरकार किसी भी निर्धन या जरूरतमंद की शिक्षा को बाधित नहीं होने देगी। सकारात्मक संदेश पाकर प्रफुल्लित बेटी व मां ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

मॉनीटरिंग कर पीड़ितों को न्याय दिलाइए- विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों ने मुख्यमंत्री से पुलिस की हीलाहवाली व अवैध कब्जे को लेकर उचित कार्रवाई न होने की शिकायत करते हुए प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने हर प्रकरण को सुना, फिर शासन के अफसरों को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि इन मामलों की मॉनीटरिंग करिए। पीड़ित को न्याय और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कराइए। सीएम ने पीड़ितों को जल्द ही समाधान के लिए आश्वस्त किया। पहले जनपद, मंडल के अधिकारियों से अवश्य मिलिए - कुछ फरियादी ऐसे भी आए, जो सीधे 'जनता दर्शन' में पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूछा कि आपने जनपद के किस अधिकारी के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर कुछ फरियादियों ने कहा कि हम सीधे यहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गर्मी बेतहाशा पड़ रही है। आप सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और सबसे पहले अपनी शिकायतें जनपद, मंडल स्तर के अधिकारियों से करें। कई समस्याओं का समाधान वहीं से हो जाएगा।

लोग मंदिर में कीर्तन कर रहे थे फिर... सीएम योगी ने बताया कैसे सटीक मौसम की भविष्यवाणी से बची लोगों की जान

अब मौसम के अनुमान पहले से ज्यादा सटीक होते हैं। पहले भविष्यवाणी की जाती थी कि बारिश होगी लेकिन नहीं होती थी पर अब मौसम संबंधी भविष्यवाणी ज्यादा सटीक होती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तकनीक को बेहतर करने से अब मौसम से संबंधित भविष्यवाणी सटीक होती है जबकि पहले मौसम अनुमान गलत होते थे। इससे विभिन्न प्रकार की प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली जन व धन हानि में कमी आई है। उन्होंने सहारनपुर का एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि क्षेत्र के शांकुबरी मंदिर में लोग कीर्तन कर रहे थे। काफी भीड़ थी लेकिन मौसम अनुमान सटीक होने के कारण भारी बारिश का अलर्ट मिला और वहां मौजूद लोगों को हटा दिया गया जिससे कि जनहानि होने से बच गई। अन्यथा शिवालिक की पहाड़ियों पर बारिश होने ने नीचे के स्थानों पर बाढ़ जैसा माहौल हो जाता था इससे लोगों को मुश्किल होती थी। कई बार ये स्थानीय लोगों के लिए आपदा बन जाता था पर अब तकनीक के बेहतर उपयोग से होने वाली जन धन हानि को कम कर लिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को लखनऊ में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में तकनीक के उपयोग से लोगों को लाभ देने के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। यही कारण है कि अब मौसम के अनुमान पहले से ज्यादा सटीक होते हैं। पहले भविष्यवाणी की जाती थी कि बारिश होगी लेकिन नहीं होती थी पर अब मौसम संबंधी भविष्यवाणी ज्यादा सटीक होती है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्राचीन काल से ही जब से मनुष्य ने अपनी बुद्धिमत्ता का प्रयोग करना शुरू किया तब से मौसम के अनुमान को लेकर प्रयासरत रहा है। पहले पंचांग की गणनाओं को आधार बनाकर मौसम की भविष्यवाणी की जाती थी। वहीं, लोक परंपरा व लोक कहावतों में लोग अनुमान लगाया करते थे कि एक खास चिड़िया ये बोली बोल रही है अब ऐसा मौसम आने वाला है। अब मौसम विभाग की मदद से हमें पहले जानकारी मिल जाती है।

संपादकीय Editorial

On old tracks

Neither the sound of the train nor the speed differed, yet the green flags praised the Kangra Valley Railway on the narrow gauge line. For now, only two trains will ply the route from Pathankot to Baijnath. The flag-off ceremony at Kangra Railway Station demonstrates that we build houses with old bricks and carry the celebration on our shoulders. The true celebration was our MP, whose efforts, after four years of hard work, understood what the people of Kangra wanted. While there were whistles for the broad gauge railway, there were promises that only two trains would leave early in the morning, like hostages, without disturbing the peace and tranquility of Pathankot. One train would depart from Pathankot at five in the morning, the other at seven, while the public's demands were different. They want trains running during the day and a full day's return journey. Fortunately, we were seen embarking on our journey again on the British tracks. This train will remember its new inauguration and rejoice that a political platform can be spread even on old tracks. Meanwhile, we will continue to take pride in this very train, only to be misled. We remember former Chief Minister and Union Minister Shanta Kumar drawing a blueprint that would open up new horizons on the broad-gauge track from Pathankot. His plans projected a grand picture of rail expansion, starting from the Army's Yol Cantonment and Holta Camp. Furthermore, current MP Dr. Rajiv Bhardwaj also played political cards in the hope of running the dream train. Truly, our leaders are magicians, and we are the naive public, proud to see the Congress party, and the BJP's, at times, dance in their own party. In truth, the dustbin of our plans keeps changing, but the public, like a constant spectator, waits for the gap between platform and reality to narrow. Kangra is now a zoo of ironies, where the failed chapters of politicians repeatedly ruin the region's dreams. Whether it's state politics or central government involvement, the Kangra-Chamba case is being lost by local politicians. Those with even the slightest doubt should look at the Pathankot-Mandi or Kangra-Shimla four-lane sections. Ask which MP or MLA will determine when the Jasoor or Malan flyovers will be completed. Who will revive the four-lane road, which is stuck at the Kangra Tunnel? If Himachal has achieved glory in terms of trains, then one must look at the broad-gauge line passing through Una in the Hamirpur parliamentary constituency. We must understand the significance of the Vande Bharat train reaching Amb-Andaura. Furthermore, thanks to the efforts of MP Anurag Thakur, Amb-Andaura now connects Himachal to the rest of the country. Therefore, the MPs and leaders of Kangra, who are raising the issue of broad-gauge trains from Pathankot, should consider that if they want Vande Bharat trains, they should demand a railway branch from Amb-Andaura that connects pilgrimage sites like Chintpurni, Jwalaji, Kangra, Chamunda, and Baijnath. If roads are crucial to Himachal's connectivity, Hamirpur is its focal point. Railway expansion in the state is possible only through the Una train and air services through the expansion of Kangra Airport; otherwise, there's no point in making a big deal about it. Regarding the Kangra Valley Railway, first restore all trains and declare this track a heritage site.

The Himalayas' White Sheet of Dirt, Shrinking Glaciers

The Himalayas are not merely silent, panoramic structures of rock and ice. They are the foundation of the Indian subcontinent's entire civilization, culture, and economy. The Himalayan glaciers, which have sustained the rivers that quench the thirst of more than half the country's population for centuries, are facing an unprecedented crisis today. Whenever serious concerns about climate change are raised on global platforms, our attention often shifts to industrialized nations and greenhouse gas emissions. These factors are undoubtedly increasing the global temperature, but when we consider Asia's "Third Pole," the Himalayas, a more brutal, local, and immediate face of the crisis emerges. This crisis is "black carbon." It is the invisible soot that is affecting the Himalayas, the source of our life-giving rivers. Therefore, in the name of the environment, we must move beyond mere formal slogans and confront the horrific truth of the Himalayan ecology, as evidenced by scientific research and geological data. The Himalayas are not merely a silent, panoramic structure of rock and ice. They are the foundation of the entire civilization, culture, and economy of the Indian subcontinent. The Himalayan glaciers, which have sustained the rivers from which more than half of the country's population reaps their thirst for centuries, are facing an unprecedented crisis today. Recent reports from the Wadia Institute of Himalayan Geology in Dehradun, ISRO's National Remote Sensing Center, and the Intergovernmental Panel on Climate Change confirm that the pace of glacier retreat in the Himalayan region has increased unprecedentedly in the past few decades.

The frightening fact is that this rapid melting is not only due to invisible gases floating in the air, but also to the direct soot that is being infused into the sensitive mountain environment due to our own greed and unplanned policies. To understand the scientific aspect of this crisis, we must understand a simple law of nature called the "albedo effect." Nature has collected water from the oceans and deposited it as snow on the Himalayas. Furthermore, it has provided these peaks with a dazzling shield of pure white snow. When the sun's rays fall on this bright, white snow, it reflects approximately 80 to 90 percent of solar radiation and heat back into space. This is why these glaciers remain protected even during the peak summer months. However, when black carbon produced by human activities in the plains and mountains floats through the air and reaches these high glacial regions, it deposits as a fine black layer on this white sheet. This fine layer of soot directly destroys the snow's shiny albedo. It is a well-established scientific law that black is the greatest absorber of heat. As snow becomes dull or black, it begins to absorb the sun's rays instead of reflecting them. Scientists conclude that this direct impact of black carbon has more than doubled the rate of glacier melt. The primary and most significant reason for the massive soot reaching these extremely inaccessible and uninhabited areas of the high Himalayas is the uncontrolled and unregulated pressure of tourism and transportation in the mountains. Millions of diesel and petrol vehicles flock to the Chardham Yatra routes and other tourist destinations every year. Hours-long traffic jams in narrow mountain valleys and the thick, unfiltered smoke emitted by heavy commercial vehicles are carried directly by the wind toward the high glaciers. Another major and devastating factor is the annual summer forest fires. Tons of ash and dense amounts of black carbon released from these fires are carried directly into the vulnerable glaciers by atmospheric currents. Additionally, dust from the construction of all-weather roads and hydroelectric projects in the mountains, and smoke from heavy machinery, are also contributing to this local pollution. Widespread stubble burning in the plains during the winter and pre-monsoon months and industrial pollution are also contributing to this devastation. Long-term studies by geologists at the Wadia Institute have found that the Gangotri glacier is retreating at an average rate of 15 to 20 meters per year, while the rate of shrinkage of other, smaller glaciers at lower elevations and with lower mass balances is even more alarming. Experts predict that if the current rates of temperature rise and black carbon accumulation continue, nearly one-third of the glaciers in the Hindu Kush-Himalayan region could disappear forever by the end of this century. This melting of glaciers is disrupting our water system. When glaciers melt at a faster rate than normal, they leave behind large volumes of unstable water and boulder-like debris. This water naturally accumulates behind weak dams of debris, forming what are known as moraine-dammed lakes. When these lakes exceed their carrying capacity, they become "time bombs." When a mild earthquake, landslide, or avalanche breaks the weak natural dams of these lakes, the lower valleys are flooded with devastating floods like the Rishiganga and Teesta floods of February 2021. A more serious aspect of this hydro-ecological imbalance is that the entire mountain range is destroyed. Human life and wildlife have depended on traditional water sources. Under normal circumstances, when heavy snowfall occurs in winter, the snow slowly melts and accumulates in the mountains' internal rocks, cracks, and underground pores, recharging natural water sources throughout the year. However, when unseasonably intense heat disrupts the snowfall cycle and the frozen snow turns into water and flows rapidly, leaving the ground without time to absorb the water. As a result, approximately 50 percent of traditional drinking water sources in the Himalayan regions have either dried up or are on the verge of drying up. Experts believe that the number of polluting vehicles in the high Himalayan regions should be controlled. Large projects should be permitted only according to carrying capacity. Furthermore, local communities and "Van Panchayats" must be re-empowered with traditional rights to forest fires and forest management. Unless local citizens have a direct emotional and livelihood connection to forests and water sources, environmental protection will remain only on paper.

Dev's Diary: The Country Is Running, But Not Moving Forward

Chettiji, running on a treadmill, symbolizes a society that appears constantly busy, but makes very little progress toward real change and progress. Amid the gym, protein shakes, fitness apps, and selfies, this work raises the question: is national development possible solely through personal achievements and superficial activity? Work will continue. And nation-building? It continues in full swing. My neighbor Chettiji's greatest achievement is that he runs five kilometers daily on a treadmill. He's been running for five days. He's still there, and the treadmill is still there. I asked, "Any thoughts of moving forward?" He said, "Who in the country is moving forward? Everyone is running on their own treadmill." I fell silent after hearing him. There are plenty of 'Chettijis' in my neighborhood. You might find them in yours too. Now, morning and evening, in parks and gyms, I see a grand vision of nation-building. Someone is reducing their belly fat, someone is measuring their waist. Some are taking selfies. Some are drinking protein shakes. And everyone is confident that they are making the country a better place. A dumbbell in one hand, a paratha in the other, protein powder on the shoulder, and gas medicine in the pocket. Pollution in the lungs, fitness apps on the mobile, and confidence on the face that the country is moving in the right direction. Middle-class people like us are fully confident that the day ghee and protein powder together become self-sufficient, that day India will truly become a world leader. Until then, the idea is to continue nation-building.

इधर बैठक कर एमडी गए, उधर बिजली 11 घंटे गुल, बीस हजार लोगों ने जागकर काटी रात, पानी तक को तरस गए लोग

मुरादाबाद के लोकोशेड बिजलीघर में पावर ट्रांसफार्मर में बार-बार फॉल्ट आने से करीब 20 हजार लोगों को बिजली और पानी के संकट का सामना करना पड़ा। ओवरलोडिंग के कारण ट्रांसफार्मर का फ्यूज बार-बार उड़ता रहा। इससे पहले बैठक कर एमडी ने विद्युत वितरण व्यवस्था ठीक करने को कहा था। मुरादाबाद के लोकोशेड बिजलीघर के पावर ट्रांसफार्मर के बार-बार खराब होने के कारण करीब बीस हजार लोग मुश्किल में आ गए। बिजली-पानी के संकट के बीच शनिवार की रात जागकर गुजारनी पड़ी। शाम करीब सात बजे गुल हुई बिजली रविवार सुबह छह बजे के बाद ही सुचारु हो सकी।ये हाल तब है, जब कुछ घंटे पहले ही पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ के एमडी रवीश गुप्ता ने समीक्षा में अफसरों को नसीहत दी थी कि बिजली आपूर्ति सुचारु रखी जाए। ओवरलोडिंग को प्राथमिकता से दूर किया जाए लेकिन एमडी के जाते ही बिजली संकट खड़ा हो गया।बिजली संकट का सबसे ज्यादा असर चंद्रनगर, ब्रजधाम कॉलोनी, पटेल नगर, फ्रेंड्स कॉलोनी, ताज बैंक्वेट क्षेत्र और आसपास के मोहल्लों में देखने को मिला। रात गहराने के साथ लोगों के इनवर्टर भी जवाब दे गए। घरों में लगे पंखे

और कूलर बंद हो गए, जिससे उमस भरी रात काटना मुश्किल हो गया।कई परिवारों को छतों और बाहर खुले स्थानों पर रात बितानी पड़ी। बिजली न होने से पानी की समस्या भी खड़ी हो गई। बिजलीघर के कर्मचारियों के अनुसार ओवरलोडिंग के कारण पावर ट्रांसफार्मर का फ्यूज बार-बार उड़ता रहा। रात करीब 11 बजे सप्लाई बहाल करने का प्रयास किया गया, लेकिन लोड बढ़ते ही दोबारा फॉल्ट हो गया।

पूरी रात फ्यूज लगाने और फॉल्ट दूर करने का सिलसिला चलता रहा लेकिन स्थायी समाधान नहीं निकल सका। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि जब गर्मी के मौसम में बिजली की मांग बढ़ना तय है तो व्यवस्था को पहले से मजबूत क्यों नहीं किया गया। वहीं बिजली निगम के अधिशासी अभियंता विकासदीप का कहना है कि रविवार सुबह फॉल्ट दूर कर सप्लाई सामान्य कर दी गई और क्षेत्र में बिजली आपूर्ति सुचारु है। एमडी ने अफसरों को दी थीं ये हिदायतें-

1- सुचारु और निर्बाध विद्युत आपूर्ति दी जाए।

2- उपभोक्ताओं की शिकायतों का गंभीरता से करें निस्तारण।

3- विद्युत चोरी और लाइन लॉस को कम किया जाए।

4- ट्रांसफार्मरों की खराबी और ओवरलोडिंग प्राथमिकता से दूर की जाए।

यहां रहा बिजली संकट-

बिजली संकट का सबसे ज्यादा असर चंद्रनगर, ब्रजधाम कॉलोनी, पटेल नगर, फ्रेंड्स कॉलोनी, ताज बैंक्वेट क्षेत्र में देखने को मिला। टाउनहॉल से जुड़े क्षेत्रों में भी रही समस्या- टाउनहॉल बिजलीघर से जुड़े मानपुर, जीएमडी रोड, पार्कर रोड समेत अन्य क्षेत्रों में भी बिजली संकट रहा। यहां तीन से चार घंटे की कटौती हुई। इससे लोग परेशान हो गए। इसके अलावा शहर के अन्य क्षेत्रों में भी पॉवर कट होते रहे।

संक्षिप्त समाचार

पोकलेन और हाइड्रा मशीनें लगाकर कसेरुआ में ध्वस्त की गई बहुमंजिली मस्जिद

संभल के कसेरुआ गांव में तोड़ी जा रही मस्जिद के परिसर से पोस्टर और झंडा मिलने के मामले में पुलिस ने मस्जिद के मुतवल्ली समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं कब्रिस्तान की भूमि पर बनी बहुमंजिली मस्जिद को ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई पर संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि मस्जिदों और मदरसों से किसी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा इस कार्रवाई का कानूनी तरीके से जवाब दिया जाएगा। उधर, प्रशासन ने रविवार को दूसरे दिन भी ध्वस्तीकरण अभियान जारी रखते हुए पोकलेन और हाइड्रा मशीनों की मदद से मस्जिद की मीनार समेत बड़े हिस्से को गिरा दिया। हालांकि देर शाम तक भी कुछ हिस्सा ध्वस्त किया जाना बाकी था।विवादित है मुस्तफा कादरी मस्जिद- गांव कसेरुआ में स्थित मुस्तफा कादरी मस्जिद को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। राजस्व अभिलेखों में संबंधित भूमि कब्रिस्तान के नाम दर्ज होने के बाद लेखपाल की रिपोर्ट पर तहसीलदार न्यायालय में वाद दायर किया गया था। सुनवाई के दौरान प्रशासन की ओर से प्रस्तुत अभिलेखों और रिपोर्टों के आधार पर न्यायालय ने निर्माण को अवैध मानते हुए ध्वस्तीकरण के आदेश जारी किए थे। मस्जिद प्रबंधन की ओर से इस आदेश को उच्चतर न्यायालय में चुनौती दी गई, लेकिन वहां से भी राहत नहीं मिल सकी। इसके बाद प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी।गांव में पुलिस बल रहा तैनात- शनिवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में अभियान शुरू किया गया था। मस्जिद का कुछ हिस्सा तोड़ दिया गया था, लेकिन भवन बहुमंजिला होने और ऊंचाई अधिक होने के कारण कार्य में तकनीकी कठिनाइयां सामने आईं। इसी वजह से रविवार को प्रशासन ने पोकलेन और हाइड्रा मशीनों की व्यवस्था कराई। तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने सुबह से ही कार्रवाई शुरू कर दी।ध्वस्तीकरण के दौरान गांव में सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। गिराया गया मस्जिद का विशाल मीनार- क्षेत्राधिकारी कुलदीप कुमार सिंह दिनभर गांव में मौजूद रहकर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। अधिकारियों ने भी लगातार मौके पर रहकर अभियान का जायजा लिया। दोपहर के समय पोकलेन मशीन की मदद से मस्जिद की तीसरी मंजिल पर बनी विशाल मीनार को गिरा दिया गया। इसके बाद तीसरी मंजिल की छत, दीवारों और अन्य हिस्सों को तोड़ने का कार्य शुरू किया गया। देर शाम तक मशीनें लगातार चलती रहीं और बड़ी मात्रा में मलबा एकत्र हो गया। नगर पालिका और नगर पंचायत के डंपरों की मदद से मलबा हटाने का कार्य भी साथ-साथ जारी रहा।अवैध निर्माण हटाने तक चलेगा ध्वस्तीकरण- तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि ध्वस्तीकरण का कार्य तब तक जारी रहेगा जब तक पूरा अवैध निर्माण हटा नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा कि रविवार को अधिकांश निर्माण ध्वस्त कर दिया गया है, जबकि शेष कार्य सोमवार को अथवा पुलिस भर्ती परीक्षा संपन्न होने के बाद कराया जाएगा। प्रशासन की प्राथमिकता है कि न्यायालय के आदेश का पूर्ण अनुपालन कराया जाए और पूरे अभियान को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न किया जाए।

मौसम का वार: इमरजेंसी में पहुंचे 74 डायरिया पीड़ित, पुलिस परीक्षा केंद्रों पर भेजे ओआरएस के 25 हजार पैकेट

भीषण गर्मी और उमस के चलते मुरादाबाद जिला अस्पताल की इमरजेंसी में डायरिया, उल्टी-दस्त और बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ गई है।वहीं पुलिस भर्ती परीक्षा को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने एहतियातन 25 हजार ओआरएस पैकेट परीक्षा केंद्रों और स्वास्थ्य इकाइयों पर भेजे हैं।जून की तपती दोपहरी अब लोगों की सेहत पर भारी पड़ने लगी है। बढ़ते तापमान और उमस के बीच जिला अस्पताल की इमरजेंसी में डायरिया, उल्टी-दस्त और बुखार के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। रविवार को जिला अस्पताल की इमरजेंसी में ऐसे 76 मरीज पहुंचे। इनमें बड़ी संख्या बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की रही।

हालत बिगड़ने पर कई मरीजों को भर्ती करना पड़ा, जबकि कुछ को प्राथमिक उपचार और ओआरएस देकर घर भेज दिया गया।

अस्पताल प्रशासन के अनुसार सुबह 10 बजे से शाम चार बजे के बीच मरीजों की संख्या सबसे

ज्यादा रही। तेज धूप में बाहर निकलने और शरीर में पानी की कमी होने से लोग डिहाइड्रेशन का शिकार हो रहे हैं।

इमरजेंसी और वार्डों में भर्ती मरीजों को ग्लूकोज चढ़ाया जा रहा है। वहीं, बच्चों के वार्ड में करीब 60 प्रतिशत उल्टी-दस्त और बुखार से पीड़ित हैं। डॉक्टरों का कहना है कि सामान्य दिनों की तुलना में इन दिनों ओआरएस, जिंक और ग्लूकोज की खपत लगभग दोगुनी हो गई है। अस्पताल में हीट वेव के मरीजों के लिए कोल्ड रूम भी बनाए गए हैं।

जिला अस्पताल के चिकित्साधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार ने बताया कि दोपहर के समय तेज गर्मी के कारण डिहाइड्रेशन वाले मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। लोगों को पर्याप्त पानी पीने, ताजा भोजन करने और धूप से बचने की सलाह दी जा रही है।

धूप में खरीदारी करने निकली महिला हुई बीमार- कटघर क्षेत्र की 58 वर्षीय शबाना रविवार दोपहर बाजार से लौटने के बाद अचानक उल्टी-दस्त की शिकायत से परेशान हो गईं। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने भर्ती कर ग्लूकोज चढ़ाया। परिवार का कहना है कि तेज गर्मी में बाहर रहने के कारण उनकी तबीयत बिगड़ी।

खेत से लौटे बुजुर्ग को चढ़ानी पड़ी बोतल- मूंढापांडे क्षेत्र के 65 वर्षीय किसान रामवीर सिंह खेत से लौटने के बाद चक्कर और कमजोरी महसूस करने लगे।

कुछ देर बाद उन्हें उल्टी-दस्त शुरू हो गए। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कर उनका उपचार किया गया। डॉक्टरों ने इसे डिहाइड्रेशन का मामला बताया।आठ साल के बच्चे को भी देना पड़ा उपचार-लाइनपार निवासी आठ वर्षीय आर्यन को शनिवार रात से उल्टी की समस्या और बुखार था। रविवार सुबह परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में उसे प्राथमिक उपचार दिया गया। जिसके बाद आर्यन ने राहत महसूस की और उसे घर भेज दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार गर्मी में दूषित खानपान बच्चों को तेजी से बीमार कर रहा है।पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों पर भेजे गए ओआरएस के 25 हजार पैकेट-सोमवार को हो रही पुलिस भर्ती परीक्षा को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने विशेष तैयारी की है। परीक्षा केंद्रों और आसपास की स्वास्थ्य इकाइयों में 25 हजार ओआरएस पैकेट भेजे गए हैं। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि बढ़ते तापमान को देखते हुए एहतियातन यह व्यवस्था की गई है। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जिंक, ओआरएस और ग्लूकोज का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध कराया गया है ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल उपचार दिया जा सके।

इंस्टाग्राम ने खोल दी फर्जी दूल्हे की पोल: जीवनसाथी डॉट कॉम पर किया प्यार, फिर ऐसे ऐंठे 5.36 लाख

मैट्रिमोनियल साइट पर फर्जी सरकारी नौकरी और खुद को कुंवारा बताकर लड़की से ?5.36 लाख ठगे। लेकिन दूल्हे की एक इंस्टाग्राम फोटो ने खोल दी पोल! जानिए पूरा मामला।मेट्रीमोनियल साइट पर खुद को अविवाहित और सरकारी नौकरीपेशा बताकर एक युवक ने शादी का झांसा देकर युवती और उसके परिवार से लाखों रुपये ठग लिए। युवक की असलियत तब सामने आई जब युवती ने इंस्टाग्राम पर उसकी एक महिला के साथ तस्वीर देखी। जांच में पता चला कि आरोपित पहले से शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। पीड़ित की शिकायत पर मुगलपुरा पुलिस ने आरोपित, उसकी मां और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मुगलपुरा के मोहल्ला पीरगैब निवासी युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 21 मार्च 2026 को मेट्रीमोनियल वेबसाइट जीवनसाथी डाट काम के माध्यम से उसकी बातचीत हरिद्वार निवासी कार्तिक नामक युवक से शुरू हुई थी। कार्तिक ने स्वयं को सरकारी विभाग में क्लर्क के पद पर कार्यरत और अविवाहित बताया था।धीरे-धीरे उसने युवती और उसके परिवार का विश्वास जीत लिया। पीड़ित के अनुसार तीन मई 2026 को कार्तिक एक महिला और दो पुरुषों के साथ उसके घर पहुंचा। उसने महिला को अपनी मां सुनीता, जबकि दोनों पुरुषों को पिता और रिश्ते का भाई बताया। बातचीत के बाद दोनों परिवारों के बीच रिश्ता तय हो गया और टीका रस्म के दौरान युवती के स्वजन ने कार्तिक को 2.51 लाख रुपये नकद दे दिए। इसके बाद भी आरोपित ने अलग-अलग बहाने बनाकर 2.85 लाख रुपये और ले लिए। मामले ने उस समय नया मोड़ लिया जब 12 मई को युवती ने इंस्टाग्राम पर कार्तिक की प्रोफाइल फोटो में एक महिला को देखा। पूछताछ करने पर कार्तिक ने उसे अपनी पत्नी काव्या उर्फ किरन बताया। इसके बाद युवती ने अपने स्तर से जानकारी जुटाई तो पता चला कि आरोपित हरिद्वार के बहादराबाद क्षेत्र का रहने वाला है। वह पहले से शादीशुदा है और उसके बच्चे भी हैं। आरोप है कि कार्तिक और उसके साथियों ने सुनियोजित तरीके से झूठ बोलकर उसे जाल में फंसाया और कुल 5.36 लाख रुपये की ठगी की। यह भी आरोप है कि आरोपित अब भी मेट्रीमोनियल साइट पर सक्रिय है और अन्य युवतियों को निशाना बना सकता है।युवती की तहरीर के आधार पर आरोपित कार्तिक, उसकी मां सुनीता तथा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ जालसाजी और धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। - कुलदीप गुप्ता, सीओ कोतवाली

अमरोहा में सनसनीखेज घटना : कूड़ा बीनने वालों की बस्तियां अचानक खाली, प्रशासन और खुफिया एजेंसियां सतर्क

अमरोहा। यूपी के अमरोहा जिले में पिछले कुछ दिनों से विभिन्न कस्बों और शहरी क्षेत्रों के बाहरी इलाकों में अस्थायी रूप से रह रहे कूड़ा बीनने वाले परिवार अचानक अपने ठिकानों से गायब हो गए हैं। इस अप्रत्याशित पलायन ने स्थानीय प्रशासन और खुफिया एजेंसियों का ध्यान आकर्षित किया है। झुग्गियों और तंबू बस्तियों में पसरा सन्नाटा- जानकारी के अनुसार, सरकारी खाली मैदानों, बाईपास मार्गों के किनारे तथा रेलवे लाइनों के आसपास लंबे समय से बनी अस्थायी झुग्गियों और तंबू बस्तियों में अब सन्नाटा पसरा हुआ है। इन स्थानों पर केवल टूटे-फूटे छप्पर, प्लास्टिक का कचरा और अन्य छोड़ा हुआ सामान ही दिखाई दे रहा है। क्या बोले स्थानीय लोगों... स्थानीय लोगों का कहना है कि इन बस्तियों में रहने वाले कई परिवार वर्षों से यहां निवास कर रहे थे और जीविकोपार्जन के लिए कूड़ा बीनने का कार्य करते थे। हालांकि, हाल के दिनों में उनके अचानक गायब हो जाने से क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। कुछ स्थानीय निवासियों और सूत्रों का दावा है कि इन लोगों में से कई कथित रूप से पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती क्षेत्रों से आकर यहां बसे हुए थे। इसी आधार पर कुछ लोग उनके अचानक पलायन को पश्चिम बंगाल के हालिया राजनीतिक और सामाजिक घटनाक्रमों से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि, इन दावों की अभी तक किसी आधिकारिक एजेंसी द्वारा पुष्टि नहीं की गई है। प्रशासन और खुफिया एजेंसियां जुटा में जुटीं- पुलिस और स्थानीय खुफिया इकाई (एलआईयू) पूरे मामले की जांच कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि ये लोग कहां गए हैं

और उनके अचानक स्थान परिवर्तन के पीछे वास्तविक कारण क्या हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, फिलहाल किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। जांच एजेंसियां तथ्यों के आधार पर जानकारी जुटा रही हैं और मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों ने नागरिकों से अपुष्ट सूचनाओं और अफवाहों पर विश्वास न करने की अपील भी की है। इस बीच, इन बस्तियों के अचानक खाली हो जाने से स्थानीय स्तर पर कई सवाल खड़े हो गए हैं, जिनके जवाब जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नौमहला में उतरी सरकार सांसद, महापौर, विधायक और डीएम ने झाड़ू उठाकर दिया स्वच्छता का संदेश

नौमहला मलिन बस्ती में चला विशेष स्वच्छता अभियान एवं जनसमस्या समाधान शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में नगर निगम द्वारा वार्ड संख्या-09 नौमहला मलिन बस्ती में विशेष स्वच्छता अभियान एवं सरकार आपके द्वार जनसमस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

इस दौरान सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, महापौर डॉ. उमेश गौतम, कैंट विधायक संजीव अग्रवाल एवं जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने स्वयं झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया तथा लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

शिविर में पेंशन, स्वास्थ्य, विद्युत, पूर्ति, स्वच्छता सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां लोगों की समस्याएं सुनी गईं और कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। साथ ही पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू की गई।

सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने कहा कि सरकार अब योजनाओं का लाभ घर-घर पहुंचा रही है। महापौर डॉ. उमेश गौतम ने कहा कि जनता के बीच जाकर समस्याओं का समाधान करना ही सरकार की प्राथमिकता है। विधायक संजीव अग्रवाल ने स्वच्छता को सभी की जिम्मेदारी बताया।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने क्लीन बरेली-हेल्थी बरेली का संदेश देते हुए कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ शहर बनाने में जनसहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम में नगर आयुक्त संजीव मौर्य, अपर नगर आयुक्त शशि भूषण राय, पार्षदगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बरेली यातायात पुलिस का मेगा ट्रैफिक एक्शन: 821 वाहन चालकों पर गिरी गाज, 62 लाख से अधिक का चालान

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए बरेली पुलिस ने बड़ा अभियान चलाते हुए नशे में वाहन चलाने वालों, मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न, हूटर और बिना HSRP नंबर प्लेट वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकअनुराग आर्य व पुलिस अधीक्षक यातायात मोहम्मद अकमल खां के निर्देशन में 6 और 7 जून को जनपद के विभिन्न टोल प्लाजाओं पर विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 8,279 वाहनों की ब्रेथ एनालाइजर से जांच की गई।चेकिंग के दौरान ड्रिंक एंड ड्राइव के 126, मॉडिफाइड साइलेंसर के 9, प्रेशर हॉर्न के 307 तथा फाल्टी नंबर प्लेट एवं बिना HSRP के 379 मामलों में कार्रवाई करते हुए कुल 821 वाहन चालकों का चालान किया गया। इस दौरान करीब 62.34 लाख रुपये का शमन शुल्क भी लगाया गया।

अभियान के दौरान पुलिस ने "Meet and Greet" कार्यक्रम चलाकर परिवार के साथ यात्रा कर रहे यात्रियों से संवाद स्थापित किया तथा उनकी समस्याएं सुनकर आवश्यक सहायता भी प्रदान की।

बरेली पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यातायात नियमों का पालन करें, नशे की हालत में वाहन न चलाएं तथा अवैध मॉडिफाइड साइलेंसर, प्रेशर हॉर्न और हूटर का प्रयोग न करें, ताकि सुरक्षित यातायात व्यवस्था कायम रखी जा सके।

कल्लू बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल, साथी के संग करने वाला था गोकशी, पुलिस पर झोंका था फायर

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। भोजीपुरा पुलिस ने एक शातिर बदमाश कल्लू को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। बदमाश पैर में गोली लगने की वजह से घायल हुआ है। पुलिस के मुताबिक पकड़ा गया शख्स गोवंशीय पशुओं के वध की फिराक में घूम रहा था।

घिरता देख पुलिस पर की फायरिंग- दरअसल सोमवार तड़के थाना भोजीपुरा पुलिस को सूचना मिली कि दो बदमाश पचौरी पेट्रोल पंप के सामने सरकारी नलकूप के पास के आसपास गौवंशीय पशुओं के वध करने फिराक में हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बदमाशों की घेराबंदी की। मगर खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस फायरिंग कर दी और भागने की कोशिश करने लगे। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की जिसमें एक बदमाश बाएं पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

फायरिंग में सिपाही घायल- बदमाशों की फायरिंग में पुलिस का सिपाही सुमित कुमार को बाए हाथ में गोली छूकर गुजरने से घायल हो गया। वहीं घायल एक बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। लेकिन उसका दूसरा साथी मौके से भागने में कामयाब रहा। घायल सिपाही और बदमाश कों इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।कल्लू पर गैंगस्टर समेत दर्ज हैं 14 केस सीओ हाईवे आशुतोष शिवम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी कल्लू उर्फ कलुवा गोकशी करने में माहिर है। उसके खिलाफ बरेली के अलग-अलग थानों में गोकशी, हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी, गैंगस्टर एक्ट समेत करीब 14 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि उसके फरार साथी की तलाश की जा रही है।

कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई पुलिस भर्ती परीक्षा, 19 केंद्रों पर उमड़े हजारों अभ्यर्थी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा सोमवार से जिले में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू हो गई। परीक्षा के लिए बनाए गए 19 केंद्रों पर सुबह से ही अभ्यर्थियों की भारी भीड़ देखने को मिली। परीक्षा को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। हर पाली में 8,736 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, जिससे तीन दिनों तक जिले में परीक्षा केंद्रों के आसपास विशेष सतर्कता बरती जाएगी। पुलिस भर्ती परीक्षा 8, 9 और 10 जून को दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक होगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से काफी पहले केंद्र पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। पहली पाली के लिए सुबह 8 बजे और दूसरी पाली के लिए दोपहर 1 बजे तक रिपोर्टिंग अनिवार्य की गई है। वहीं परीक्षा केंद्रों पर प्रवेश प्रक्रिया सुबह 7:15 बजे से शुरू कर दी गई।पांच जोन में बांटा गया जिला, मजिस्ट्रेटों की तैनाती परीक्षा की निगरानी के लिए जिले के सभी 19 केंद्रों को पांच जोन में विभाजित किया गया है। प्रत्येक केंद्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट और एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इसके अलावा बाहरी केंद्र व्यवस्थापकों को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो परीक्षा व्यवस्थाओं पर लगातार नजर रखेंगे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पांच स्टेटिक मजिस्ट्रेट रिजर्व में रखे गए हैं।मोबाइल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध परीक्षार्थियों को केवल पारदर्शी पानी की बोतल, पेन और वैध पहचान पत्र ले जाने की अनुमति दी गई है। मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस सहित किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। हाल ही में टीजीटी परीक्षा के दौरान साल्वर पकड़े जाने की घटना को देखते हुए इस बार सुरक्षा व्यवस्था और भी सख्त कर दी गई है। प्रशासन का दावा है कि परीक्षा को पूरी तरह निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जाएगा।

मौलाना तौसीफ की हत्या का खुलासा, आरोपी पंकज राजपूत गिरफ्तार : ट्रेन से दिया था धक्का

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली जीआरपी ने मौलाना तौसीफ रजा की हत्या के मामले में खुलासा किया है। जीआरपी ने मुख्य आरोपी पंकज राजपूत को गिरफ्तार किया है। उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित था। जीआरपी का दावा है कि आरोपी ने झगड़े के बाद मौलाना को ट्रेन से धक्का देने की बात कबूल की है। एसएसपी जीआरपी आशुतोष शुक्ला ने बताया कि मामले को गैर इरादतन हत्या में तरमीम किया जाएगा। जीआरपी के मुताबिक पंकज राजपूत मुरादाबाद के मोहल्ला कानून गोयान का निवासी है। उसकी उम्र 25 वर्ष है। वह मौलाना तौसीफ रजा की हत्या के मामले में वांछित था। पुलिस अधीक्षक रेलवे, अनुभाग मुरादाबाद ने उस पर 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। जीआरपी पुलिस ने सर्विलांस और मुखबिर की सूचना के आधार पर उसे पकड़ा।

गिरफ्तारी के समय वह प्लेटफॉर्म नंबर दो पर गश्त/चेकिंग के दौरान मिला। यह मामला थाना जीआरपी बरेली जंक्शन में दर्ज है। पुलिस ने यात्रियों से जानकारी और कुछ वीडियो क्लिप के आधार पर भी जांच की थी। इन सभी प्रयासों से पंकज राजपूत की पहचान हुई और उसे गिरफ्तार किया गया। बिहार के जिला किशनगंज के रहने वाले मौलाना तौसीफ रजा का शव 27 अप्रैल को सुबह सात बजे बरेली के कैंट थाना क्षेत्र में पालपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रैक पर मिला था। वह उर्स-ए-ताजुश्शरिया में शामिल होकर 04314 योगनगरी ऋषिकेश-मुजफ्फरपुर विशेष ट्रेन से किशनगंज लौट रहे थे। मौलाना के पास जनरल टिकट था, लेकिन वह स्लीपर श्रेणी के कोच में यात्रा कर रहे थे। चार मई को उनकी पत्नी तबस्सुम ने बरेली पहुंचकर अज्ञात के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। तबस्सुम ने दावा किया कि उनके पति को ट्रेन में पीटने के बाद बाहर फेंक दिया गया। घटना से पहले मौलाना ने उनको कॉल कर बताया था कि ट्रेन में कुछ लोग उनसे झगड़ रहे हैं।

जांच के दौरान जीआरपी ने ट्रेन के कोच संख्या आठ, नौ और 10 के 200 से ज्यादा यात्रियों से पूछताछ की। बरेली जंक्शन पर सीसी फुटेज खंगाले। इसके बाद एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

जीआरपी का दावा है कि आरोपी पंकज ने झगड़े के बाद मौलाना को ट्रेन से धक्का देने की बात स्वीकार की है।

झीलों पर कब्जा करने वालों की खैर नहीं! NGT ने बरेली प्रशासन को दिए सख्त निर्देश, ट्रीटेड वाटर से होगी सिंचाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के सदस्य/न्यायाधीश डॉ. अफरोज अहमद ने कलेक्ट्रेट सभागार में पर्यावरण संरक्षण और एनजीटी आदेशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि जनपद की सभी झीलों का डिमार्केशन कराया जाए और उन पर हुए अतिक्रमण तत्काल हटाए जाएं। उन्होंने कहा कि झीलें भूजल रिचार्ज और रोजगार सृजन का महत्वपूर्ण स्रोत हैं, इसलिए इनके संरक्षण में कोई लापरवाही न बरती जाए।

बैठक में खेतों में रासायनिक खाद और पेस्टीसाइड के अत्यधिक प्रयोग पर चिंता जताते हुए किसानों को जीवामृत व जैविक खाद अपनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। एनजीटी सदस्य ने एसटीपी से ट्रीटेड पानी का उपयोग क्रिकेट स्टेडियम, पार्कों और कृषि सिंचाई में बढ़ाने पर जोर दिया। साथ ही जनपद में अतिरिक्त एसटीपी स्थापित करने और प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हमारी साझा विरासत है और इसका संरक्षण हम सभी की जिम्मेदारी है। बैठक के बाद डॉ. अफरोज अहमद ने कलेक्ट्रेट परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी अविनाश सिंह, सीडीओ देवयानी, नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

शीला भट्टाचार्या बनीं क्रीड़ाधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। काफी समय से रिक्त चल रहे क्रीड़ाधिकारी के पद पर शीला भट्टाचार्या की तैनाती हुई है। शीला भट्टाचार्या इससे पहले लखीमपुर खीरी, सुल्तानपुर, अंबेडकरनगर में जिला क्रीड़ाधिकारी के पद पर सेवाओं का बखूबी निर्वह्न कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि जिले में खेलों को बढ़ावा देने के लिए वह हर संभव प्रयास करेंगी। इसके अलावा जिले में राज्य स्तरीय व राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को कराना भी उनकी प्राथमिकता में रहेगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

हनुमान मंदिर में किन्नरों ने किया भंडारे का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली, नवाबगंज। शबनम और किरन किन्नर ने मोहल्ला बिजौरिया में स्थित श्री सिद्ध हनुमान मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी तादात में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। भंडारे में शामिल हुई भाजपा की जिला मंत्री डॉ. मीनाक्षी गंगवार ने श्रद्धालुओं के प्रसाद वितरित करने के साथ ही किन्नरों की प्रशंसा की। वही किन्नरों ने डॉ. मीनाक्षी गंगवार का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इसमें सभासद सोनू राठौर आदि लोग मौजूद रहे।

परसाखेड़ा लैंड पूलिंग: सेक्टर 4 से 7 में पुराना ले-आउट निरस्त अब नया मास्टर प्लान इसी सप्ताह स्वीकृत हो सकता है

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। परसाखेड़ा में लैंड पूलिंग योजना के तहत 522 हेक्टेयर भूमि पर विकसित की जा रही आवासीय योजना के निरस्त हुए पुराने ले-आउट के बाद अब नया मास्टर प्लान इसी सप्ताह स्वीकृत होने जा रहा है। आवास विकास परिषद के अधिकारियों का कहना है कि संशोधित ले-आउट को अंतिम मंजूरी मिलते ही किसानों को उनके हक के भूखंडों का आवंटन दोबारा शुरू कर दिया जाएगा। पूर्व में सेक्टर चार, पांच, छह और सात के नियोजन में भारी गड़बड़ी सामने आई थी, जहां 200 से अधिक किसानों की सहमति से प्राप्त 67 एकड़ से अधिक भूमि पर भूखंड सृजित किए जाने थे। वर्चुअल बैठक के दौरान यह खुलासा हुआ था कि सेक्टर चार और पांच में 80 फीसदी से अधिक भूखंड किसानों को देने के बजाय ग्रुप हाउसिंग, कमर्शियल स्कूल, अपार्टमेंट और हाईराइज बिल्डिंगों के लिए आरक्षित कर दिए गए थे। इस मनमानी के कारण अपनी कीमती जमीन देने वाले मूल किसानों के सामने खुद के ही भूखंड आवंटन का बड़ा संकट खड़ा हो गया था, जिसके चलते 21 और 22 मई को प्रस्तावित आवंटन की तिथि को प्रशासनिक स्तर पर आगे बढ़ाना पड़ा था। किसानों का हित सर्वोच्च वहीं, आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह के निर्देश पर पुराने ले आउट को भी तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया था। आवास विकास परिषद के अधिशासी अभियंता राजेंद्रनाथ राम ने बताया कि नए सिरे से ले-आउट तैयार करने का कार्य अपने अंतिम चरण में है, जिसमें किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

10 जून तक खाली करें सरकारी आवास, वरना होगी एफआईआर और बलपूर्वक बेदखली,कब्जाधारियों को अंतिम चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । सरकारी आवासों पर अनाधिकृत कब्जे के खिलाफ प्रशासन सख्त हो गया है। नगर मजिस्ट्रेट एवं प्रभारी अधिकारी (नजारत) राजेश कुमार वर्मा ने पीडब्ल्यूडी कॉलोनी, राजेंद्र नगर स्थित कई राजकीय आवासों पर अनाधिकृत रूप से काबिज कर्मचारियों को 10 जून 2026 तक आवास खाली करने का अंतिम नोटिस जारी किया है। जारी नोटिस के अनुसार शाहजहाँपुर में तैनात उप निरीक्षक किरन पाल, बदायूं में तैनात उप निरीक्षक विदेश शर्मा, मथुरा में तैनात महिला कांस्टेबल मीनाक्षी शर्मा तथा मेरठ में तैनात प्रशासनिक अधिकारी शेखर चंद्र बिष्ट स्थानांतरण के बावजूद सरकारी आवासों पर कब्जा बनाए हुए हैं। नगर मजिस्ट्रेट ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा तक आवास खाली नहीं किए जाने पर संबंधित कर्मचारियों के विरुद्ध राजकीय संपत्ति पर अनाधिकृत कब्जे का मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। साथ ही प्रशासन द्वारा बलपूर्वक कार्रवाई कर सरकारी आवास खाली कराए जाएंगे। प्रशासन की इस कार्रवाई को सरकारी संपत्तियों के दुरुपयोग पर सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

पीसीसी सड़क निर्माण में अनियमितता के आरोप, कार्रवाई का इंतजार

ग्रामीणों की शिकायत के बावजूद अब तक नहीं हुई जांच

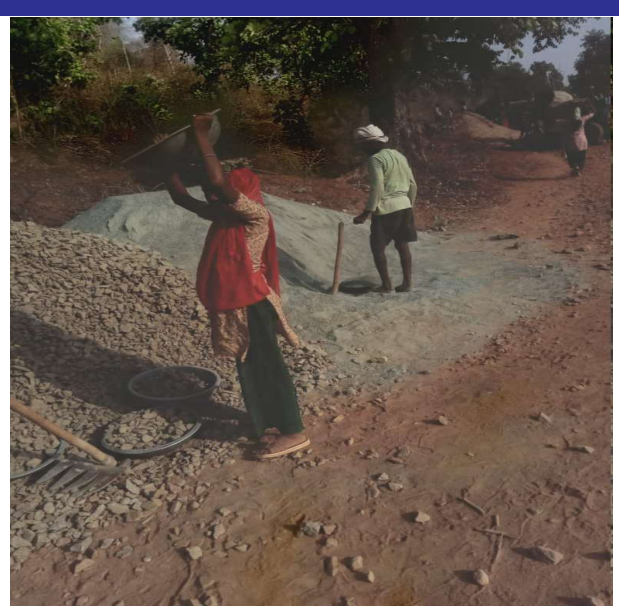

क्यूँ न लिखूँ सच / मानस मिश्रा / चितरंगी। जनपद पंचायत चितरंगी अंतर्गत ग्राम पंचायत शेरवा में निर्माणाधीन पीसीसी सड़क को लेकर उठे गुणवत्ता संबंधी सवालों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है ग्रामीणों द्वारा सड़क निर्माण में मानकों की अनदेखी, रेत-सीमेंट की कम मात्रा तथा गिट्टी व भस्सी के अधिक उपयोग का आरोप लगाए जाने के बाद भी संबंधित विभाग की ओर से जांच शुरू नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं किया जा रहा है, जिससे सड़क की मजबूती पर सवाल खड़े हो रहे हैं शिकायतों के बावजूद न तो तकनीकी जांच की गई है और न ही निर्माण कार्य पर कोई रोक लगाई गई है स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों से मांग की है कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए तथा यदि अनियमितता पाई जाए तो जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की जाए ग्रामीणों का कहना है कि समय रहते जांच नहीं हुई तो सरकारी धन की बर्बादी के साथ-साथ जनता को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर और हरे रंग का झंडा, मस्जिद पर बुलडोजर चलने के दौरान हॉल में मिला ये सामान

संभल जिले में मुस्तफ़ा क़ादरी मस्जिद को गिराए जाने के दौरान उसके अंदर आई लव मुहम्मद स्लोगन वाले 49 पोस्टर और पाकिस्तानी झंडे जैसा दिखने वाला एक झंडा मिलने के बाद आठ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।पुलिस ने आपत्तिजनक मानते हुए कार्रवाई की है।यूपी के संभल के नखासा थाना पुलिस ने गांव कसेरुआ में शनिवार को सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद मुस्तफा कादरी के ध्वस्तीकरण कार्रवाई के दौरान मिले आई लव मोहम्मद लिखे पोस्टर और झंडे के मामले में कार्रवाई की है। पुलिस ने मस्जिद के मुतवल्ली जाकिर समेत इसी गांव के आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। शनिवार को सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बनी इस दो मंजिला मस्जिद के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई थी। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस तैनात रही थी। रविवार को नखासा थाने के उप निरीक्षक अरुण कुमार की ओर से दर्ज कराई गई इस रिपोर्ट के मुताबिक, अरुण कुमार मय हमराह कांस्टेबल शुभम कुमार, अजय कुमार, राजन पंवार, विनय बर्मन के साथ गांव कसेरुआ में अवैध मस्जिद के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की ड्यूटी में गए थे। इसमें कोई व्यक्ति न हो, इस बात को मुतमईन करने के लिए भवन के अंदर गए और निरीक्षण किया। मस्जिद की सबसे ऊपरी मंजिल में बने मुख्य हॉल में रखे तख्त पर गद्दे के नीचे 49 पोस्टर मिले, जिन पर आई लव मोहम्मद प्रिंट हुआ है। हरे रंग का एक झंडा भी मिला, जो पाकिस्तानी झंडा प्रतीत हो रहा है।इसे कब्जे में लिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में मुतवल्ली जाकिर, तसलीम, जाकिर हुसैन, भूरे अली, शरफुद्दीन, दिल शरीफ, मोहब्बत अली, नन्हें के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।गैर जमानती अपराध, तीन वर्ष कारावास या जुर्माना, दोनों भी संभव कानून के जानकार वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद कुमार के मुताबिक, भारतीय न्याय संहिता बीएनएस, 2023 की धारा 353 (2) के तहत वह कारावास से जो तीन वर्ष तक का हो सकेगा या जुर्माने से या फिर दोनों से दंडित किया जा सकता है।

यह गैर जमानती अपराध है। कसेरुआ में 70 फीसदी ध्वस्त हो चुकी है मस्जिद- संभल। गांव कसेरुआ में मस्जिद के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई रविवार को भी चली। बुलडोजर और क्रेन के माध्यम से कार्रवाई होती रही। प्रशासन के मुताबिक, करीब 70 फीसदी मस्जिद का निर्माण ध्वस्त हो गया है। एक-दो दिन में निर्माण को पूरी तरह से ढहाकर जमीन अतिक्रमण से मुक्त करा दी जाएगी।दरअसल, गांव में राजस्व अभिलेखों के अनुसार, गाटा संख्या 409 कब्रिस्तान की जमीन है। इसी जमीन पर मस्जिद का निर्माण किया गया। शिकायत के आधार पर प्रशासन ने सुनवाई की। इसके बाद कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जा पाया गया।तहसीलदार ने बताया कि सुनवाई के दौरान मस्जिद कमेटी कोई दस्तावेज या साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर पाई। इसके चलते कार्रवाई की गई। शनिवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू हुई, जो रविवार को पूरे दिन जारी रही।करीब 70 फीसदी निर्माण ध्वस्त हो गया है। एक दो-दिन में निर्माण पूरी तरह से ध्वस्त हो जाएगा और जमीन कब्जा मुक्त करा दी जाएगी। वहीं, ध्वस्तीकरण की कार्रवाई के दौरान पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने जायजा लिया। फोर्स भी तैनात रही। ट्रैक्टर-ट्राली और डंपरों से मलबा हटवाया गया।डरकर नहीं बैठें, बल्कि उच्च न्यायालय जाएं, मिलेगा इंसाफ = सपा सांसद गांव कसेरुआ में मस्जिद को हटाने की कार्रवाई के दूसरे रविवार को सपा के सांसद जियाउर्रहमान बर्क ने प्रेस कांफ्रेंस की। पत्रकारों को बताया कि करीब 150 वर्षों से यह मस्जिद है, इस तरह के कुछ प्रमाण हैं। वक्फ बोर्ड में 1984 में यह दर्ज है। वक्फ ट्रिब्यूलन बोर्ड में यह प्रकरण चल भी रहा है।बावजूद इसके सुनवाई कर ली गई है, जबकि अधिकार ही नही हैं। बर्क ने कहा कि सांसद होने के नाते कानूनी दायरे में रहकर अपने लोगों की लड़ाई मैं लडूंगा। धार्मिक स्थलों से कोई खिलवाड़ नहीं करने देंगे। गलत काम करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कोर्ट जाऊंगा।सांसद ने लोगों से भी आह्वान किया कि डरकर नहीं बैठे, जागरूक बनें। गलत आवाज के खिलाफ उच्च न्यायालय जाएं। कई बार बाद में उच्च न्यायालयों से इंसाफ मिलता है। सांसद ने मस्जिद में हर झंडा मिलने पर हुई कार्रवाई को लेकर हुए सवाल के जवाब में कहा कि हमारा मजहबी झंडा हरे रंग का होता है।

ईद मिलादुन्नबी के मौके पर इसका उपयोग होता है। दूसरे देशों में जहां भी मुसलमान रह रहे हैं, वहां भी इसका प्रयोग में लाया जाता है। इसे बांग्लादेश, या पाकिस्तान का झंडा कहना गलत है।अधिकारियों को पता है कि वह गलत कर रहे हैं, इसलिए डायवर्ट करना चाहते हैं लेकिन कामयाबी नहीं मिलेगी। ताकत के बल पर यदि गलत कार्रवाई करेंगे, तो आने वाले समय में खामियाजा भुगतना पड़ेगा। देश में बढ़ती महंगाई पर सांसद ने कहा कि महंगाई के दौरान सरकार को टैक्स सस्पेंड कर देने चाहिए, ताकि लोगों को राहत मिले।असंवैधानिक तरीके से की बुलडोजर कार्रवाई = सपा विधायक

असमोली विधानसभा क्षेत्र की विधायक पिंकी यादव ने गांव कसेरुआ में मस्जिद हटाने की कार्रवाई को असंवैधानिक करार दिया है। विधायक ने एक्स पर लिखा कि सरकार के इशारे पर प्रशासन ने असंवैधानिक तरीके से मस्जिद पर बुलडोजर की कार्रवाई की है, जो पूर्णतया गलत है। प्रकरण की जानकारी के लिए प्रशासन के अधिकारियों को फोन किए लेकिन बात नहीं की गई। स्टेनो ने फोन रिसीव किया। आगे लिखा कि भाजपा ने बुलडोजर को अपनी गैरकानूनी ताकत दिखाने का प्रतीक बना लिया है।मुसलमान, अन्य अल्पसंख्यक पिछड़े और दलित इनके निशाने पर हैं। पूर्व में राया बुजुर्ग, मुबारकपुर बंद और ऐंचोड़ा कंबोह में भी गलत कार्रवाई प्रशासन कर चुका है। हम इस तरह की कार्रवाई की निंदा करते हैं।

धर्मांतरण मामला: आयुष मलिक बोला- मैं अपनी मर्जी से इस्लाम अपनाकर बना रहमान, चांदनी से किया निकाह; कार्रवाई गलत

शामली केमिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष देवराज मलिक के पुत्र आयुष मलिक का धर्म बदलवाने के मामले में पुलिस ने युवती और तीन मौलवियों समेत 11 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज है। अब आयुष ने खुद सामने आकर बयान दिया है और पुलिस की कार्रवाई को गलत बताया है। दवा कारोबारी देवराज मलिक के पुत्र आयुष के धर्मांतरण प्रकरण में नया मोड़ आ गया है। आयुष ने सोमवार को मीडिया के सामने आकर कहा कि उसका जबरन धर्मांतरण नहीं कराया गया। उसने अपनी इच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है और अपना नाम बदलकर रहमान रखा है। उसका अपने फैसले से पीछे हटने का कोई इरादा नहीं है। उसने चांदनी और उसके पिता की गिरफ्तारी को गलत बताया। करोड़ों की संपत्ति हड़पने की बात को झूठ बताया।आयुष मलिक ने कहा कि समाज के लोग उस पर दोबारा धर्म बदलने का दबाव बना रहे हैं, लेकिन वह किसी दबाव में नहीं आएगा। उसने 2008 से इस्लाम धर्म का अनुसरण करना शुरू कर दिया था। शामली की लड़की चांदनी कुरैशी से दिल्ली में निकाह किया था। लंबे समय तक अपने परिवार को धर्म परिवर्तन और निकाह की जानकारी नहीं दी थी। उस समय उसकी बहनों की शादी नहीं हुई थी। सभी बहनों की शादी होने के बाद उसने परिजनों को इस्लाम धर्म अपनाने की जानकारी दी थी। पुलिस में पिता देवराज मलिक की तरफ से प्राथमिकी दर्ज कराने के मामले में कहा कि समाज के दबाव में उन्होंने यह कदम उठाया है। ब्रेनवाश के सवाल पर कहा कि यह गलत है। अगर उसका ब्रेनवाश किया गया तो क्या वह अपने माता-पिता भूल गया। कुछ लोग इस मामले को बेवजह तूल दे रहे हैं।चांदनी और उसके पिता को भेजा जा चुका जेल- विदित हो कि चार दिन पहले बघरा स्थित साधना आश्रम के पीठाधीश्वर स्वामी यशवीर महाराज ने युवक के धर्मांतरण का मुद्दा उठाया था। कार्रवाई न होने पर 12 जून को कुरैशी बस्ती में हिंदू महापंचायत की घोषणा की थी। इसके बाद पुलिस ने दो दिन पहले शनिवार देर रात दवा कारोबारी देवराज मलिक की तरफ से शहर कोतवाली में युवती चांदनी कुरैशी, उसके पिता इस्लाम कुरैशी, भाई समेत परिवार के आठ और तीन मौलवियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस ने रविवार को चांदनी व उसके पिता इस्लाम कुरैशी को गिरफ्तार कर लिया था। दोनों को जेल भेज दिया गया। अब आयुष मलिक ने दोनों को जेल भेजने का विरोध किया है।

मामा-भांजी को डंपर ने मारी टक्कर, दोनों की मौत, पुलिस भर्ती परीक्षा देकर जा रहे थे घर

मुरादाबाद के भगतपुर क्षेत्र में डंपर की टक्कर से बाइक सवार मामा और भांजी की मौत हो गई। पूजा रामपुर में सिपाही भर्ती परीक्षा देकर लौट रही थी। हादसे के बाद चालक डंपर लेकर फरार हो गया।भगतपुर थानाक्षेत्र में दलतपुर-अलीगंज मार्ग पर कांकरखेड़ा लिंक मार्ग के मोड़ पर डंपर से बाइक सवार मामा-भांजी को टक्कर मार दी। इस हादसे में मामा राम सिंह और भांजी पूजा की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक डंपर दौड़ाकर भाग गया। हादसे के समय रामसिंह रामपुर में पूजा की सिपाही भर्ती परीक्षा दिलाने के बाद घर लौट रहा था।पुलिस के मुताबिक, डिलारी क्षेत्र के नारायणपुर गांव निवासी ज्ञानकी प्रसाद की बेटी पूजा ने उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही पद के लिए आवेदन किया था। सोमवार को पहली पाली में रामपुर में पूजा की परीक्षा थी। पूजा के मामा राम सिंह का घर भगतपुर के कांकरखेड़ा में हैं।कांकड़खेड़ा से रामपुर की दूरी कम है इस लिए एक दिन पहले ही पूजा अपने मामा के घर आ गई थी। सोमवार की सुबह राम सिंह अपनी भांजी को बाइक से लेकर रामपुर स्थित परीक्षा केंद्र पर पहुंच गए। सोमवार दोपहर 12 बजे परीक्षा समाप्त हो गई थी। इसके बाद मामा-भांजी बाइक से कांकरखेड़ा लौट रहे थे।दोपहर करीब 2.30 बजे इनकी दलपतपुर-अलीगंज मार्ग से कांकरखेडा लिंक मार्ग के मोड़ पर पहुंची। इसी दौरान बजरफुट उतार कर लौट रहे डंपर ने बाइक में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों दूर जा गिरे और मौके पर ही मौत हो गई। आसपास के खेतों में काम कर रहे लोग दौड़े लेकिन चालक डंपर लेकर भाग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से डंपर चालक के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। बाइकों से किया डंपर का पीछा, पकड़ में नहीं आया दुर्घटनास्थल से करीब 500 मीटर की दूरी पर राम सिंह का गांव हैं। हादसे की जानकारी मिलने पर परिजन और ग्रामीण आ गए और उन्होंने बाइकों से काफी दूर तक डंपर का पीछा किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई।

देश बेचने के बाद अब भगवान श्रीराम के चढ़ावे पर भी डाका?, आप सांसद संजय सिंह ने लगाए गंभीर आरोप

आप सांसद संजय सिंह ने कहा राम मंदिर चढ़ावा मामले में कहा कि इस मुद्दे पर भाजपा व ट्रस्ट को देश को जवाब देना चाहिए। उन्होंने पूछा कि क्या चंपत राय भगवान श्रीराम की प्रतिमा पर हाथ रखकर सौगंध खाएं कि चढ़ावे में चोरी नहीं हुई।आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर के चढ़ावे के मामले को लेकर भाजपा और राम मंदिर ट्रस्ट पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन में देश के संसाधनों, संस्थाओं और उसी दौर में भगवान श्रीराम के नाम पर श्रद्धालुओं अत्यंत शर्मनाक और चिंताजनक है।संजय सिंह सवाल उठा रही है कि राम मंदिर के दान पात्र उनके समर्थक इन आरोपों को झूठ बताने में स्पष्ट हो गया है कि चढ़ावे में चोरी के मामले में करनी पड़ी है।उन्होंने कहा कि जब देश के लोगों को जवाब देना चाहिए। करोड़ों रामभक्त के चरणों में अर्पित करते हैं। उस धन की है।संजय सिंह ने कहा, भाजपा सरकार देश की

ट्रस्ट पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि भाजपा के जनता के अधिकारों पर लगातार हमले हो रहे हैं, अब द्वारा चढ़ाए गए धन में चोरी के आरोप सामने आना ने बयान जारी कर कहा कि कल से पार्टी लगातार यह और चढ़ावे में गड़बड़ी हुई है। भाजपा के नेता और लगे थे, लेकिन अब सामने आ रही जानकारियों से गिरफ्तारियां हुई हैं और जांच एजेंसियों को भी कार्रवाई सामने तथ्य आ चुके हैं तो भाजपा और ट्रस्ट के जिम्मेदार अपनी मेहनत की कमाई श्रद्धा के साथ भगवान श्रीराम सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करना ट्रस्ट की जिम्मेदारी संपत्तियों को बेचने में लगी रही, रेलवे बेची, हवाई अड्डे बेचे, बंदरगाह बेचे, सरकारी संस्थान बेचे, लेकिन अब अगर भगवान श्रीराम के चढ़ावे में भी चोरी के आरोप सामने आ रहे हैं तो यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था पर सीधा आघात है। देश जानना चाहता है कि आखिर यह सब कैसे हुआ और इसके जिम्मेदार कौन हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा राम के नाम पर वोट मांगती है, राम के नाम पर राजनीति करती है, लेकिन जब रामभक्तों के चढ़ावे पर सवाल उठते हैं तो जवाब देने से बचती है। यह चुप्पी संदेह को और बढ़ाती है। सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को चुनौती देते हुए कहा, 卐यदि चढ़ावे में चोरी नहीं हुई है तो चंपत राय जी भगवान श्रीराम की प्रतिमा पर हाथ रखकर सौगंध खाएं कि चढ़ावे के धन में किसी प्रकार की चोरी नहीं हुई। उनकी इस सौगंध पर करोड़ों रामभक्त विश्वास कर लेंगे। उन्होंने कहा कि जो भी लोग इस मामले में दोषी हैं, उन्हें तत्काल जेल भेजा जाना चाहिए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर देश के सामने सच्चाई रखी जानी चाहिए। भगवान श्रीराम की आस्था के साथ खिलवाड़ करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी श्रद्धालुओं की आस्था और उनके चढ़ावे की पवित्रता की रक्षा के लिए इस मुद्दे को लगातार उठाती रहेगी और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करती रहेगी।

नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा का प्रथम दिवस सकुशल संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा/ दोनों पालियों में कुल 5,118 अभ्यर्थी हुए उपस्थित, 1,410 रहे अनुपस्थित; जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 का प्रथम दिवस जनपद में नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सकुशल संपन्न हुआ। परीक्षा के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की गई तथा सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़े सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा केंद्र व्यवस्थापकों एवं ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन तलाशी, सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में यह परीक्षा 08, 09 एवं 10 जून 2026 को प्रतिदिन दो पालियों में आयोजित की जा रही है। जनपद में कुल 09 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं तथा तीन दिनों की कुल छह पालियों में 19,584 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। प्रत्येक पाली में 3,264 अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की गई है। प्रथम दिवस की प्रथम पाली में कुल 3,264 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 2,556 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 708 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में 3,264 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 2,562 अभ्यर्थी उपस्थित हुए तथा 702 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार दोनों पालियों में कुल 6,528 अभ्यर्थियों में से 5,118 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 1,410 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप परीक्षा को पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं नकलविहीन ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। परीक्षा केंद्रों के भीतर किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, माध्यमों का प्रवेश पूर्णतः प्रतिबंधित रखा गया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए प्रशासन एवं पुलिस की संयुक्त टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा: ADG अनुपम कुलश्रेष्ठ का परीक्षा केंद्रों पर औचक निरीक्षण, लापरवाही बरतने वालों को दी सख्त चेतावनी

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फतेहगढ़ उत्तर प्रदेश- उत्तर प्रदेश आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा-2026 को पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और नकल विहीन संपन्न कराने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। इसी कड़ी में कानपुर जोन की अपर महानिदेशक (ADG) श्रीमती अनुपम कुलश्रेष्ठ ने अचानक फतेहगढ़ के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।ADG के इस औचक एक्शन से परीक्षा केंद्रों पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। सुरक्षा व्यवस्था और पारदर्शिता पर पैनी नजर- निरीक्षण के दौरान ADG अनुपम कुलश्रेष्ठ ने परीक्षा केंद्रों के भीतर और बाहर सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने साफ किया कि परीक्षा की शुचिता (purity) से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक जांच, प्रवेश द्वारों पर सघन तलाशी और सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग की उन्होंने खुद जांच की। ड्यूटी में लापरवाही पर सख्त निर्देश- परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिसकर्मियों और सुरक्षाकर्मियों को संबोधित करते हुए ADG ने कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा- ड्यूटी में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यदि कोई भी अधिकारी या कर्मचारी अपने काम में कोताही बरतता पाया गया, तो उसके खिलाफ तत्काल सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। मौके पर मौजूद रहे आला अधिकारी- इस औचक निरीक्षण के दौरान ,ष्ठत्त के साथ स्थानीय जिलाधिकारी (DM) और पुलिस अधीक्षक (SP) भी मुख्य रूप से मौजूद रहे।ष्ठत्त ने स्थानीय प्रशासन को निर्देश दिए कि परीक्षा खत्म होने तक हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जाए और कानून व्यवस्था को पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त रखा जाए। मुख्य बिंदु- एक नजर में- औचक कार्रवाई,ष्ठत्त कानपुर जोन श्रीमती अनुपम कुलश्रेष्ठ द्वारा फतेहगढ़ के केंद्रों का औचक निरीक्षण। सख्त संदेश- ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों को दी गई कड़ी चेतावनी। प्रशासनिक मुस्तैदी- मौके पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में सुरक्षा व्यवस्था को परखा गया। लक्ष्य. यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा-2026 को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाना।

एमएलसी रमा निरंजन के आवास पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज चौधरी का भव्य स्वागत

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ झांसी। भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज चौधरी का झांसी महानगर आगमन पर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। वे झांसी में विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता आर.पी. निरंजन के आवास पहुँचे, जहाँ पार्टी कार्यकर्ताओं व समाज के प्रतिनिधियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर बुंदेलखंड कुर्मी क्षत्रिय कल्याण समिति के पदाधिकारी, भाजपा के वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वागत समारोह के दौरान संगठनात्मक मजबूती, क्षेत्रीय विकास, जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। केंद्रीय राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी साझा की और उन्हें जमीनी स्तर तक पहुँचाने का आह्वान किया।

वरिष्ठ नेता आर.पी. निरंजन ने क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं, विकास आवश्यकताओं एवं संगठनात्मक गतिविधियों से मंत्री को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता से संगठन को नई गति मिल रही है। मंत्री ने कार्यकर्ताओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अनुशासन, समर्पण और सेवा भाव के साथ कार्य करने से संगठन और अधिक सशक्त बनेगा।

एमएलसी रमा निरंजन एवं आर.पी. निरंजन ने माननीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणादायी है और इससे संगठन को नई ऊर्जा प्राप्त होगी। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसमें उपस्थित जनसमुदाय ने संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

जिला सैनिक बन्धु बैठक में पूर्व सैनिकों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण पर जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / कलेक्ट्रेट सभागार, बदायूँ में सोमवार को अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) त्रिभुवन सिंह की अध्यक्षता में जिला सैनिक बन्धु की बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल संदीप सिंह (अवकाश प्राप्त) ने किया। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं गैर सरकारी सदस्यों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में पूर्व सैनिकों एवं सैनिक आश्रितों से प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई तथा नवीन प्राप्त शिकायतों एवं समस्याओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों से संबंधित कुल पांच प्रार्थना पत्रों को अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को सभी प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने पूर्व सैनिकों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान कराया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन पूर्व सैनिकों द्वारा अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए हैं, वे आगामी जिला सैनिक बन्धु बैठक में अपने प्रकरणों की प्रगति एवं निस्तारण की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बैठक में जनपद के 21 पूर्व सैनिकों ने भाग लिया तथा अपनी समस्याओं एवं सुझावों से प्रशासन को अवगत कराया। बैठक में उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. पवन कुमार, पंजाब नेशनल बैंक के एलडीएम अम्बुज कुमार शुक्ल एवं अजय कुमार, जिला सेवायोजन अधिकारी तथा उद्योग विभाग से सहायक आयुक्त संदीप कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। गैर सरकारी सदस्य के रूप में ऑनरेरी सब लेफ्टिनेंट सतीश चन्द्र (अवकाश प्राप्त) ने सहभागिता की।

जूनियर अधिवक्ता की मौत पर बवाल, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन का 48 घंटे का अल्टीमेटम

दोषी डॉक्टरों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो होगा बड़ा आंदोलन: अखिलेश शर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ प्रयागराज/लखनऊ। लखनऊ स्थित संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (पीजीआई) में उपचार के दौरान जूनियर अधिवक्ता जागृति शुक्ला की मृत्यु से अधिवक्ता समाज में गहरा शोक और तीव्र आक्रोश व्याप्त है। इस घटना को गंभीर लापरवाही का मामला बताते हुए हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के महासचिव अखिलेश शर्मा ने प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।

अखिलेश शर्मा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि 48 घंटे के भीतर दोषी डॉक्टरों के विरुद्ध कठोर एवं प्रभावी कार्रवाई करते हुए उनकी गिरफ्तारी नहीं की गई, तो अधिवक्ता समाज व्यापक आंदोलन छेड़ने के लिए विवश होगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति की मृत्यु का मामला नहीं है, बल्कि चिकित्सा व्यवस्था में व्याप्त लापरवाही और जवाबदेही की कमी का गंभीर उदाहरण है।

उन्होंने बताया कि जागृति शुक्ला एक होनहार जूनियर अधिवक्ता थीं और उनके असामयिक निधन से पूरे अधिवक्ता समुदाय को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच की मांग करते हुए कहा कि जांच में जो भी डॉक्टर या अन्य जिम्मेदार व्यक्ति दोषी पाए जाएं, उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

अखिलेश शर्मा ने यह भी कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय दिलाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और न्याय में किसी भी प्रकार की देरी को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने मामले को हल्के में लिया, तो आंदोलन प्रदेशव्यापी रूप ले सकता है।इस घटना को लेकर प्रयागराज से लेकर लखनऊ तक अधिवक्ताओं में भारी रोष है। बार एसोसिएशन से जुड़े अधिवक्ता लगातार बैठकें कर आगे की रणनीति पर विचार कर रहे हैं। अब सभी की निगाहें प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि दोषियों पर कब और कैसी कार्रवाई होती है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

डीएम एसएसपी ने पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी अवनीश राय एवं एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 परीक्षा को सकुशल, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं नकलविहीन ढंग से सम्पन्न कराए जाने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया निरीक्षण के दौरान परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया गया। साथ ही ड्यूटीरत अधिकारियों एवं कर्मचारीगण को परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं शुचिता के साथ शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए अधिकारियों द्वारा परीक्षा केंद्रों पर तैनात पुलिस बल को सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ ड्यूटी निर्वहन करने तथा किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) श्री अभिषेक कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

हज-2027 हेतु तैयार रखें अन्तर्राष्ट्रीय पासपोर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / आज ज़िला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी प्रणव कुमार पाठक ने बताया है कि हज कमेटी ऑफ़ इण्डिया मुम्बई द्वारा अपनी वेबसाइट एचटीटीपीहजकमेटीडॉटजीओवीडॉटइन पर हज-2027 के सम्बन्ध में सकुर्लर जारी किया है जिसमें हज व उमराह मंत्रालय सऊदी अरब सरकार से सूचना के आधार पर भारतीय दूतावास रियाद सऊदी अरब द्वारा निर्देश जारी किये गये हैं जिसमें हज-2027 की तैयारियाँ जल्द आरम्भ होने की सूचना दी गयी है। हज-2027 हेतु इच्छुक आवेदकों को सूचित किया जाता है कि हज-2027 की घोषणा शीघ्र कर दी जायेगी। हज-2027 हेतु पासपोर्ट मशीन पठित होना चाहिए। हस्तलिखित पासपोर्ट मान्य नहीं होगा। हज-2027 के आवेदन हेतु पासपोर्ट की वैद्यता 31 दिसम्बर 2027 तक होना आवश्यक है। नये जारी पासपोर्ट में इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि पासपोर्ट में सरनेम/लास्ट नेम का कॉलम ख़ाली न छोड़े। हज-2027 के सभी इच्छुक आवेदकों से अनुरोध है कि वह अपना मूल अन्तराष्ट्रीय पासपोर्ट तैयार रखें जिसके पास 31 दिसम्बर 2027 तक की वैद्यता का पासपोर्ट उपलब्ध है वह आवेदन हेतु तैयार रहें,जिनके पास 31 दिसम्बर 2027 तक वैद्यता का पासपोर्ट नहीं है वह नया पासपोर्ट बनवा लें। इसके लिए वह तत्काल पासपोर्ट कार्यालयों में आवेदन कर दें,ताकि हज-2027 की शीघ्र घोषणा होने पर ऑनलाइन आवेदन हेतु उनके पास पासपोर्ट उपलब्ध रहे।

मॉडल को मुंबई ले जाकर किया शारीरिक शोषण, 10 साल तक लिव इन रिलेशन, अब धर्मांतरण का दबाव

सरधना क्षेत्र की एक युवती सोमवार को एसएसपी कार्यालय पहुंची और कस्बे के ही युवक पर गंभीर आरोप लगाए। बताया कि मुंबई ले जाकर उसका शोषण किया गया। 50 लाख रुपये ठगने की बात भी कही। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सरधना थाना क्षेत्र की एक मॉडल ने कस्बे के ही युवक पर शादी का झांसा देकर करीब 10 साल तक शारीरिक शोषण करने और फिर धर्मांतरण के लिए दबाव बनाने का गंभीर आरोप लगाया है।

पीड़िता ने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत पत्र सौंपा और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।मॉडलिंग करने वाली पीड़िता ने बताया कि साल 2016 में उसकी मुलाकात कस्बे के ही एक युवक से हुई थी। युवक ने उसे मुंबई में मॉडलिंग में बड़ा अवसर दिलाने का लालच दिया और दोनों मुंबई चले गए। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने शादी का झांसा देकर करीब 10 साल तक उसका शारीरिक और आर्थिक शोषण किया। जब पीड़िता ने आरोपी से शादी की बात कही, तो उसने धर्मांतरण का दबाव बनाना शुरू कर दिया। शिकायत के अनुसार, जब पीड़िता के पिता ने आरोपी की हरकतों का विरोध किया, तो उसने पीड़िता के साथ मारपीट की। युवती ने जब पुलिस में शिकायत करने की बात कही, तो आरोपी ने उसकी अश्लील फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी दी। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया है कि युवक ने उससे 10 साल में लगभग 50 लाख रुपये की ठगी भी की है।इस मामले में सीओ सरधना आशुतोष कुमार ने बताया कि शिकायत पत्र के आधार पर सभी आरोपों की गहनता से जांच की जाएगी। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की तह तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

Breast Cancer: The biggest revelation yet about breast cancer, a doctor reveals this is something no one pays attention to.

Breast cancer cases are rapidly increasing worldwide. Millions of women die from it every year. The revelations about the causes of cancer at the International Cancer Conference have shocked people. Let's explore this in detail.

worldwide. Approximately 775,000 people die of this cancer were seen with age, however, younger ages. Common symptoms include skin color, and abnormal discharge from the women's erratic lifestyle and dietary habits, considered that sometimes major life decisions career, but also your health? A shocking cancer conference has sparked worldwide delay having children may significantly this may sound controversial, but the report cancer. Delaying childbearing can increase are prioritizing education, career, financial is often postponed until later in life. However, natural biological processes. Dr. Andrea Hospital in Italy, says, "These days, women are This is having many negative effects." While pregnancy is one of the biggest causes of rising Breast cancer is one of the fastest-growing cancers from it every year. Until a few decades ago, cases now the number of patients is increasing even at lumps in the breast, changes in breast shape or nipples. Studies show that genetics, along with significantly increase the risk. Have you ever can seriously impact not only your lifestyle or warning recently released at an international discussion. Oncologists revealed that women who increase their risk of breast cancer. Experts say suggests it could pose a significant risk for breast cancer risk. Health experts say that while women stability, and personal independence, motherhood this delay has been found to impact the body's Decensi, Director of Medical Oncology at Galleria deciding to have children much later than before. people often avoid discussing this topic openly, late breast cancer rates. His comments come at a time when cancer cases among young people are rapidly increasing worldwide. What is the right age to have children? Health experts have long argued that having children at a young age can help prevent ovarian and breast cancer. Dr. Decensi says that biologically, women are ready for pregnancy immediately after their first period. The best time to have children is between 20 and 35 years old. After this, not only does conceiving become more difficult, but the risk of breast cancer also increases significantly. Doctors say that the biggest concern is that women are neither aware of nor discussed about this risk. What do experts say? Dr. Decensi says that as a society, we are now having children later. Education, work, and the cost of living all impact when women have children, or whether they have them at all. He added that lifestyle factors such as low physical activity, poor diet, and obesity also play a major role in the rising incidence of cancer. Studies exploring the relationship between fertility, hormones, and breast cancer suggest that having a child at a young age may offer some protection. One scientific explanation for this is that breast cells remain relatively immature and sensitive until a woman becomes pregnant. These cells are more sensitive to the hormone estrogen, which can increase their risk of abnormal growth and cancer. When pregnancy occurs at the right time, these cells mature quickly and return to their natural function (milk production), which may reduce the risk of developing cancer over time. What did the study find? According to a study published in the British Journal of Cancer, women who have their first child after the age of 30 have a 60% higher risk of developing breast cancer before menopause than women who have their first child at around 22. Additionally, the risk of breast cancer may decrease by approximately 9% with each pregnancy. Breastfeeding has also been shown to be protective against breast cancer risk. Research suggests that breastfeeding for more than six months and not smoking can delay the onset of the disease by approximately 10 years. Breastfeeding can reduce the body's production of the hormone estrogen. Since cancer cells rely on estrogen to grow, lowering its levels can reduce the risk. Keep these things in mind to prevent breast cancer: Fiona Osgen, Head of Health Information at Cancer Research UK, says, "Cancer is a complex disease, and its risk depends on many factors. Having children on time can reduce the risk of breast cancer, but this is a highly personal decision that depends on many circumstances. There are also several other measures that can help reduce the risk of cancer." Not smoking, controlling your weight, and avoiding alcohol are also measures that can help protect you from serious risks.

Homemade Protein Powder Recipe: Make protein powder at home with just 5 ingredients; a natural alternative to gym supplements!

Homemade protein powder can be prepared from nutritious ingredients like almonds, peanuts, chickpeas, oats, pumpkin seeds, and flaxseeds. They are a good source of protein, fiber, and healthy fats. Consumed regularly, they about fitness and a healthy lifestyle is trying to lose weight, or those simply focusing on increasing the amount of for commercially available protein natural alternatives over expensive economical, but you can also choose peanuts, roasted chickpeas, flaxseeds, body with essential nutrients. excess sugar, or unnecessary additives. powder, this easy recipe can be useful. benefits, and the right way to consume roasted chickpeas 1 cup almonds 1 cup pumpkin seeds 2 teaspoons cardamom fiber, healthy fats, and essential roast the almonds, peanuts, oats, flax content and ensures a longer shelf life. grinder and grind them finely. Finally,

can support muscle mass, energy, and fitness. Awareness rapidly increasing these days. Whether gym-goers, those wanting to maintain a healthy body, almost everyone is protein in their diet. This has led to a surge in demand powders. However, many people prefer homemade supplements. Homemade protein powder is not only ingredients based on your needs. Made from almonds, oats, and various seeds, this powder can provide the Additionally, there's no worry about artificial flavors, If you're looking to make a healthy and natural protein Let's explore how to make protein powder at home, its it. Ingredients for Homemade Protein Powder: 1 cup roasted peanuts 1/2 cup oats 1/4 cup flax seeds 1/4 cup powder (to taste) All of these ingredients contain protein, minerals. Easy Recipe for Protein Powder: First, lightly seeds, and pumpkin seeds. This reduces the moisture Let all ingredients cool. Then, place them in a mixer add the cardamom powder and store the mixture in an airtight container. Your homemade protein powder is ready. Benefits of this protein powder: This homemade protein powder can be a good source of many nutrients. It helps provide protein to the body. It supports muscle growth. It helps keep you full longer. It supports digestion due to fiber. It helps provide energy from healthy fats. Keep in mind that benefits may vary depending on a person's diet, age, and health status. Correct way to consume: 1 to 2 teaspoons of this powder can be mixed into milk, smoothies, shakes, or yogurt. Many people prefer it for breakfast or after a workout. If you have any food allergies or health problems, it may be advisable to consult a specialist before consuming it. How different is it from commercial protein powder? The biggest advantage of homemade protein powder is its transparency. You know exactly what ingredients are used. However, some commercial sports nutrition supplements may contain more concentrated protein. Therefore, the benefits of both options may vary depending on your needs.

Health Alert: Are you making these food mistakes? They can lead to gas and indigestion.

If you don't want to feel unwell, be especially mindful of your diet. Here, we'll share the worst food combinations. We eat a variety of foods in our daily diet, but did you know that consuming certain foods immediately after eating others can be detrimental to your health? Incorrect food combinations can affect the digestive system and cause stomach-related problems like gas, indigestion, acidity, and food poisoning. Both Ayurveda and modern health experts agree that it's crucial to be mindful of the right and wrong food combinations after eating. People often unknowingly combine foods that can harm the body. Therefore, it's important to know what to avoid after what to eat, so that the digestive system remains healthy and the body receives complete nutrition. Let's learn about some common but important food combinations. What not to eat after eating fish: Milk or dairy products should not be consumed immediately after eating fish. This can put pressure on the digestive system, and some people may experience skin allergies or reactions. Therefore, it is best to avoid eating both together or immediately after eating them. 2. What not to eat after eating bitter gourd: Avoid eating very sweet or heavy foods after bitter gourd. This can imbalance the body's blood sugar levels and slow down the digestive process. Eating light and simple meals is more beneficial. 3. What not to eat after eating eggs: Eating excessively fried or very cold foods immediately after eating eggs can cause gas and heaviness in the stomach. This puts an additional burden on the digestive system. 4. What not to eat after eating guava: Consuming very spicy or acidic foods after guava can cause heartburn and indigestion. This can create an imbalance in the stomach. 5. What not to eat after eating watermelon: Avoid other fruits or heavy meals immediately after eating watermelon. This can slow down the digestion process and can cause heaviness in the stomach. One should not drink even water after eating watermelon. 6. What should not be eaten after eating onion Consuming very sweet or cold drinks after eating onion can cause gas and stomach discomfort. It can affect digestion. Why is right food combination important? Wrong food combination increases the chances of toxin formation in the body. This weakens the digestive system and can cause health problems in the long run. By adopting right diet, you can keep your digestion strong and body healthy.

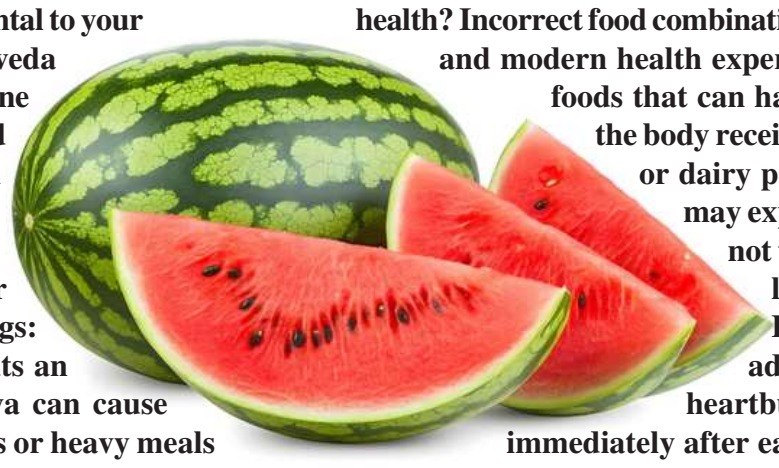

Esha Deol once again praised her brother Bobby Deol, saying this about the film "Bandar"

Esha Deol watched the film "Bandar" and praised her brother Bobby Deol's performance. After watching "Bandar," Esha Deol called her brother Bobby Deol "the best actor we have today." Bollywood actor Bobby Deol's new film, "Bandar," has finally been released in theaters. A special screening was held in Mumbai just a day before the film's release. Bobby Deol's sister and actress Esha Deol also attended the screening. Esha praised Bobby's performance. Esha expressed her love on social media: After watching "Bandar," Esha Deol praised Bobby Deol's work on Instagram. She shared a photo with Bobby and his wife, Tanya Deol, and wrote, "You are at your best. Without a doubt, you are the best actor we have today. Well done brother." Esha also appealed to fans to go to theaters and watch the film. Bobby Deol later shared the post on his account, thanking his sister. Regarding "Bandar," Bobby Deol said, "We all dream of roles that showcase our acting prowess, but such opportunities don't come along often. I'm glad I got this opportunity." What is the story of the film "Bandar"? The film "Bandar" is directed by renowned director Anurag Kashyap. This is the first time Bobby and Anurag have worked together on a film. "Bandar" is a crime thriller based on true events. The story revolves around a aging TV star who is accused of rape by his former girlfriend. "Bandar" movie star cast: "Bandar" stars Bobby Deol along with Sanya Malhotra, Sapna Pabbi, and Saba Azad. This film was also shown at the Toronto International Film Festival last year and now after its release in theatres, critics are praising Bobby Deol's acting. Bobby Deol's next film 'Alpha' - After 'Bandar', Bobby Deol will soon be seen in Yash Raj Films' big action film 'Alpha'. This is a part of YRF's spy universe, in which films like 'Tha Tiger', 'War' and 'Pathan' have been made before. Alia Bhatt, Sharvari and Anil Kapoor will also be seen in this film along with Bobby and this film is likely to be released in theatres on July 3.

Did Ram Charan's "Peddi" become this year's biggest opener? It broke the records of several films; learn about its worldwide collections.

Ram Charan and Janhvi Kapoor's pan-India film "Peddi" was released in theaters worldwide on June 4, 2026. Find out the film's worldwide collections. Directed by Buchi Babu Sana, "Peddi" released in theaters on June 4 in Telugu, Hindi, Tamil, Malayalam, and Kannada. Starring Ram Charan and Janhvi Kapoor in lead roles, learn about its worldwide collections. "Peddi" worldwide collections - South star Ram Charan's film "Peddi" has earned a total of ?135.36 crore worldwide. "Peddi" has broken the opening day records of several films released this year, including "The Raja Saab." However, 'Peddi' could not break the opening day record of Ranveer Singh's film 'Dhurandhar The Revenge'. Opening day collection of films released in 2026 (as per IMDb) Dhurandhar The Revenge Rs 205.2 crore The Raja Saab Rs 100.6 crore Man Shankar Vara Prasad Garu Rs 71.2 crore Ustad Bhagat Singh Rs 48.2 crore Drishyam 3 Rs 43.4 crore Border 2 Rs 41.6 crore Patriot Rs 29.8 crore Karuppu Rs 28.9 crore Bhoot Bungalow Rs 23.6 crore The Kaat Rs 13.7 crore Raja Shivaji Rs 13.5 crore O Romeo Rs 12.1 crore Box office collection of 'Peddi' - 'Peddi' has made a great collection on the opening day. The film has earned Rs 51 crore in India on the first day. Peddi also earned ?18.50 crore in paid preview shows. The film's total collection now stands at ?69.50 crore. All about Peddi - Peddi, a pan-India film starring Ram Charan and Janhvi Kapoor, is releasing in theatres worldwide on June 4, 2026. It is a sports drama and film based on the struggles and emotions of an athlete. Directed by Buchi Babu Sana, the film stars Ram Charan and Janhvi Kapoor in lead roles. Besides Ram and Janhvi, Shiva Rajkumar, Divyendu Sharma, and Jagapathi Babu also play pivotal roles. The film's music is composed by A.R. Rahman.

Did Varun Dhawan's comedy film offer anything new? Find out how fans reacted.

On Friday, Varun Dhawan's film "Hai Jawani To Ishq Hona Hai" released in theaters with the intention of bringing a touch of comedy to the theater. Did it succeed in achieving this goal? Find out how fans and audiences have reviewed the film on Twitter. David Dhawan is renowned for making romantic-comedies. His films provided immense entertainment in the 90s. In the same vein, he created the film "Hai Jawani To Ishq Hona Hai" with his son Varun Dhawan. Read the Twitter reviews for the film. Fans gave mixed reactions - Regarding the film "Hai Jawani To Ishq Hona Hai," a user tweeted, "It's a typical romantic-comedy; we've seen such films many times before." The story begins after the interval, but it still lacks novelty and originality. Another user commented, "The idea for this film is taken from the 1984 film 'Mickey and Maude.' Varun Dhawan plays his character with tremendous energy. The film, starring Varun Dhawan, Pooja Hegde, and Mrunal Thakur, brings hearty laughter and a sense of nostalgia to the theater." Fans stunned by the actors' poor acting: Some users found Varun Dhawan's acting in the film very poor. One user wrote, "The acting is terrible, absolutely useless and shameful. Nothing worked, even neutral viewers are severely criticizing it. Audiences are thoroughly rejecting the film. Varun Bhai, please go back to your old style." What is the film's story? The story of wedding photographer Jass (Varun Dhawan), whose wife Bani (Mrunal Thakur) wants to divorce him because he wants a child. Bani is not ready for this. During their separation, Bani urges Jass to move on. Then, Preet (Pooja Hegde) enters Jass's life. A few months later, Bani discovers she's pregnant and returns to Jass. Meanwhile, Preet also becomes pregnant. This situation serves as a comedic element throughout the film.